Fourteenth Loksabha

Session : 7
Date : 11-03-2006
Participants : Dangawas Shri Bhanwar Singh

an>

Title : Regarding crop failure in Rajasthan due to Natural Calamities in the State.

श्री भँवर सिंह डांगावास (नागौर) : अध्यक्ष महोदय, मध्य प्रदेश में ओलावृटि, अंधड़ तथा बेमौसम जो अधिक बरसैंत हुई है, उससे फसलों की हानि के अलावा जन-हानि भी हुई है।

यद्यपि राजस्थान में अभी तक जन हानि के कोई समाचार नहीं हैं, परन्तु ओलावृटि, अंधड़ तथा बिन मौसम की बरसैंत ने तमाम कृाि उपजों में विशेातः जीरा, सरसों तथा गेहूं की फसलों को चौपट कर दिया है। अंधड़ ने फसलों को जमीन के बराबर सुला दिया है। ओलों ने जीरे के पौधों को तोड़कर जमीन पर गिरा दिया है तथा अधपकी सरसों की फसल की फलियों को, जिनमें करीब-करीब पके हुए दाने थे, चोटें मार-मार कर जमीन पर गिरा दिया है। कटी फसलें जो खैंत और खलिहान में पड़ी है, उसे बरसैंत के पानी ने भिगोकर बर्बाद कर दिया है।

यद्यपि साधारणतया राजस्थान के बारे में कोटा संभाग का विशेा उल्लेख करते हुए राजस्थान से आये हुए सदस्यों ने अपनी-अपनी बैंतें रखी हैं। परन्तु मैं मेरे क्षेत्र नागौर के बारे में निवेदन करूंगा कि मैं आपके माध्यम से इस सरकार का ध्यान आकर्ति करना चाहता हूं कि राजस्थान में अकाल होने से किसान खरीफ की फसल से भी हाथ धो बैठे हैं और यह एक चोट पड़ गई है, जो किसानों के लिए असहनीय हो गई है। यदि इस वक्त किसानों की मदद नहीं की गई तो अभी हर किसान पर ऋण का जो भार है, उनके पास सिवाय अैंत्महत्या के और कोई चारा नहीं रहेगा।

मैं आपके माध्यम से इस सरकार का ध्यान आकर्ति कर आग्रह करूंगा कि यह सरकार आकलन हेतु शीघ्र कोई दल भेजे। अैंहत किसानों को पूरी सहायता आपदा राशि से की जाए। ैांक फसल बीमा योजना से कम से कम ग्राम या ग्राम पंचायत को इकाई मानकर पूरी फसलों की कीमत दिलाने की बीमा कंपनी से व्यवस्था करें। धन्यवाद।